विश्व प्रार्थना दिवस

इंगलैण्ड, वेल्स और उत्तरी आयरलैण्ड की

विश्व प्रार्थना दिवस समिति द्वारा तैयार किया गया

4 मार्च 2022

''मैं तुम्हारे लिये जो योजनाएँ बनाता हूँ, उन्हें मैं जानता हूँ।''

तैयारी

बाइबल अध्ययन को एक रचनात्मक समूह वार्तालाप के रूप में तैयार किया गया है। उपयोग किए जाने वाले समूह अभ्यास को चुनने और सामग्री को पहले से तैयार करने के लिए पढ़ने–सुनने और प्रतिबिंबित करने के रचनात्मक तरीके अनुभाग पढ़ें।

टीबीआर उदाहरणः कठपुतली, दृश्यावली, पृष्ठभूमि संगीत। बाइबिल का नक्शा और वर्तमान वैश्विक मानचित्र स्थिति को तस्वीरें जिन्हें निर्वासन के अनुभवों के रूप में माना जाता सकता है।

प्रारम्भिक प्रार्थना के संदर्भ से अवगत होने के लिए उपासना सेवा में हमारी माता और हमारे पिता परमेश्वर पर एक शब्द खंड पढ़ें।

प्रारम्भिक प्रार्थना

परमेश्वर हमारी माता और हमारे पिता, हम आज आपके पास आपके सच्चे वचन का अध्ययन करने के लिए आते हैं। हम घोषणा करते हैं कि हम आपकी बात सुनने और अपने जीवन के लिए आपकी अच्छी योजनाओं को स्वीकार करने के लिए तैयार हैं। हम आपसे प्रेम करते हैं और आपके पुत्र यीशु मसीह के लिए आपका धन्यवाद करते हैं। आमीन!

दृश्य की स्थापना

सातवीं शताब्दी ईसा पूर्व इज़राइल, यहूदा और आसपास के देशों के लिए बड़ी उथल–पुथल का दौर था। क्रूर असीरियन साम्राज्य, जिसने इस्राइल के राज्य को घुटनों पर ला दिया था, असफल हो रहा था। इसके स्थान पर शक्तिशाली बेबीलोन वासियों का प्रभाव बढ़ रहा था। यह उस समय बहुत ही अस्थिर दुनियां में था कि यिर्मयाह का जन्म 650 ईसा पूर्व के आसपास हुआ था।

उनकी भविष्यसूचक बुलाहट 627 ईसा पूर्व के आसपास हुई। परमेश्वर ने उसे तब चुना था जब वह गर्भ में ही था और उसे राष्ट्रों के लिए एक नबी के रूप में नियुक्त किया जाना था। युवा यिर्मयाह ने इतने महान कार्य के लिए स्वयं को अयोग्य महसूस किया, परन्तु परमेश्वर ने उसके होठों को छुआ और उसे उसकी शक्तिशाली उपस्थिति का आश्वासन दिया (यिर्मयाह 1:4–10)। उनका मंत्रालय बहुत आवश्यकताओं वाला साबित हुआ और इसके लिए बहुत साहस की आवश्यकता थी। इसमें कारावास और कठिनाई शामिल थी। हमारे विश्व प्रार्थना दिवस की सेवा के लिए चुना गया बाइबल मार्ग उस भयंकर विरोध को दर्शाता है जिसका यिर्मयाह को सामना करना पड़ा था।

यिर्मयाह की पुस्तक बेबीलोन में यहूदी बंधुआई के समय क आसपास लिखी गई थी (वर्तमान इराक)। यहूदा पर विजय प्राप्त कर ली गई थी और उनका पवित्र शहर यरूशलेम नष्ट हो गया था। उनका मंदिर–जिस स्थान पर वे ईश्वर को वास करने के लिए मानते थे – नष्ट कर दिया गया था। यहूदा के लोगों का एक कुलीन समुदाय – राजा और रानी माँ, नेता, कुलीन और शिल्पकार–को निर्वासन में ले जाया गया था। उनका भविष्य अंधकारमय लग रहा था। (भजन संहिता–137)। उनकी हताशा और टूटी गृहस्थी और अंततः यरूशलेम लौटने की लालसा को दर्शाता है। अपने मंदिर के बिना, वे बलि नहीं चढ़ा सकते थे – एक प्रथा जो उनके विश्वास का एक अभिन्न अंग था।

पढ़िए यिर्मयाह 29:1–14

पढ़ने, सुनने और प्रतिबिंबित करने के रचनात्मक तरीके–

यिर्मयाह के गद्यांश को दो बार या तीन बार जोर से पढ़ें, (तत्पश्चात् धीरे–धीरे पढ़े)

प्रत्येक पठन व छंदों पर चिंतन करें और सुनने में कुछ मिनट बिताएं।

इस तरह, आप परमेश्वर के वचन को अपने दिल और दिमाग में बहने दें।

इन्हें पढ़ते हुए कठपुतलियों और बुनियादी दृश्यों को रंगमंच करें।

बाईबिल के समय में बेबीलोन और यरूशलेम के भौगोलिक क्षेत्र के मानचित्र को देखें। और 21वीं सदी में। निर्वासितों द्वारा की गई यात्रा की पहचान करने के लिए एक नक्शा बनाएं।

अपनी जीवन यात्रा का प्रतिनिधित्व करें और पूरे समय में प्रभु की योजनाओं को पहचानें तथा अपनी आशाओं को साझा करें एवं आपका अपना जीवन और आपके चर्च और समुदाय का। निर्वासन के रूपों का प्रतिनिधित्व करने वाली तस्वीरों को देखें। कल्पना करने की कोशिश करें कि यह कैसा लगता है, समुदाय से निर्वासित उदाहरण के लिए यदि आप एक शरणार्थी, एक कैदी, एक बुजुर्ग थे।

एक बेरोजगार, एक अकेला या बेघर व्यक्ति। एक स्थिति चुनें जो हो सकती है। (उपरोक्त में से किसी एक परिस्थिति को अपने ऊपर चुनें कि आपने क्या महसूस किया और क्यों?)

हमारा चुना हुआ मार्ग एक पत्र का हिस्सा है जिसमें बंधुओं के लिए यिर्मयाह को परमेश्वर का संदेश है। यिर्मयाह ने बंधुओं को घर बनाने, बाग लगाने, एक परिवार रखने और उस शहर के कल्याण की तलाश करने के लिए प्रोत्साहित किया, जहां प्रभु ने उन्हें रहने के लिए भेजा था। परमेश्वर ने उन्हें झूठे भविष्यवक्ताओं की बात न सुनने के लिए भी सचेत किया जो वादा कर रहे थे कि वे जल्द ही घर लौट आएंगे। प्रभु का संदेश स्पष्ट था, जिस शहर में आप रहते हैं, उसकी ओर से प्रार्थना करें, उनका कल्याण करें और आपको अपना कल्याण मिलेगा। यिर्मयाह ने उनसे अपनी वर्तमान स्थिति को स्वीकार करने और घर बसाने के लिए तैयार रहने का आग्रह किया।

आपके बारे में सोचने और साझा करने के लिए प्रश्न :

आपको क्या लगता है कि निर्वासितों ने इस खबर पर क्या प्रतिक्रिया दी होगी कि उन्हें एक विदेशी भूमि पर बसने के लिए तैयार रहना चाहिए? आपकी प्रतिक्रिया क्या रही होगी?

घर लौटने से पहले उन्हें किन शर्तों का पालन करना होगा? क्या आपने परमेश्वर की योजनाओं के बारे में सुनकर महसूस किया होगा?

उपदेश के बाद, एक वादा! मरे पास आपके लिए जो योजनाएं हैं, उन्हें मैं जानता हूँ। परमेश्वर लोगों को उनकी भूमि पर वापस लाने के अपने वादे को नहीं भूला था, लेकिन इसे पूरा होने में 70 साल लगेंगे। अधिकांश के लिए सात साल एक लंबा समय लगता होगा, लेकिन 70 साल? इस पत्र को पढ़कर निर्वासितों के सपने जरूर चकनाचूर हो गए होंगे और बहुत से आशाहीन हो गये होंगे। इतने सालों के बाद, यहूदा के लिए घर जाने वाली अगली पीढ़ी होगी!

आशा और भविष्य

परमेश्वर के वचनों में आशा थी। अपने हिस्से के लिए, यहूदा के लोगों को परमेश्वर के साथ अपने रिश्ते को फिर से बनाना पड़ा जो पाप और उसकी आज्ञाओं की अवज्ञा के कारण टूट गया था। जब उन्होंने प्रार्थना और आराधना के माध्यम से ईश्वर की खोज करेंगे, तो वे उसे पा लेंगे। वह यह भी चाहता था कि वे स्थानीय निवासियों के साथ संबंध बनाएं। वे इसे समुदाय में और प्रार्थनापूर्ण कार्रवाई के माध्यम से प्राप्त करेंगे। बेबीलोन में उनकी प्रतीक्षा का समय कठिन और निराशाजनक होगा, हालांकि जब यह समय समाप्त हो जाएगा तो उनका भविष्य उज्जवल हो जाएगा और उनके परिवार अपने वतन लौट सकते हैं, जैसा कि परमेश्वर ने वादा किया था–

आज की दुनिया के लिए आशा

आज की दुनियां में, लाखों लोग निर्वासन में हैं, युद्ध, उत्पीड़न, भय और भूख के कारण अपने देश छोड़ चुके हैं। अन्य लोग एक खतरनाक और कठिन यात्रा पर हैं जो वे आशा करते हैं कि वह सुरक्षित स्थान होगा। इतने सारे लोगों के लिए इस बात की बहुत कम संभावना है कि वे निकट भविष्य में घर लौट पाएंगे।

विचार करने और साझा करने के लिए प्रश्न–

- क्या किसी के लिए यह महसूस करना संभव है कि वे एक तरह के निर्वासन में हैं, भले ही वे अपने देश में सुरक्षित हों?
- निर्वासन का अनुभव कर रहे लोगों के साथ हम कैसे प्रार्थना करें और उनकी मदद कैसे करें?

उन परिस्थितियों में लोगों के लिए कैसे विश्वास को लाएं, जब उन्हें लगे कि कोई रास्ता नहीं है?

प्रार्थनामयी कार्य?

यिर्मयाह के पत्र ने अपने समय के राजनीतिक और सामाजिक तनावों को उजागर किया, लेकिन साथ ही उन्हें उनके भविष्य के लिए मार्गदर्शन करने का वादा भी किया, मुझे पता है कि मेरे पास आपके लिए क्या योजनाएं हैं। हमें समाज में ऐसी दिशा में काम करने की जरूरत है जहां सभी

के लिए न्याय हो, खासकर उनके लिए जो सबसे कमजोर हैं। दुनिया भर में हमें ग्लोबल वार्मिंग, गरीबी, बीमारियों, जबरन प्रवास, शरणार्थी संकट या प्रेम की कमी जैसी बड़ी समस्याओं का सामना करने के लिए मिलकर काम करने की जरूरत हैं, जिनसे हम असहमत हैं। हम मानते हैं कि प्रभु के पास हम में से प्रत्येक के लिए योजनाएं हैं, भलाई के लिए योजनाएं हैं न कि बुराई के लिए। भविष्य के लिए अपनी आशा को क्रियान्वित करने की हमारी बारी है। ईश्वर हमेशा हमारे साथ है, भले ही इसे समझना मुश्किल हो।
प्रार्थनापूर्ण कार्य की एक कहानी सुनें। कहानी का पूरा संस्करण बाल और युवा कार्यक्रम में है।

मेरा नाम ग्रेस है। मैं 24 वर्ष की हूँ। मेरी आशा है कि .....यू0के0 में सुरक्षा चाहने वाले सभी लोगों का स्वागत किया जाए, उन्हें गले लगाया जाए और उन्हें वह समर्थन दिया जाए जिसकी उन्हें जरूरत है। जब ब्रिटेन में समाचारों में डिंगियों में भूमध्यसागर को पार करने वाले लोगों और यूरोप पहुंचने के लिए अपनी जान जोखिम में डालने की कहानियों से भरना शुरू हुआ, तो मैं इस अनदेखा नहीं कर सकती थी। मेरा दिल टूट गया कि लोग अपने घरों से भागने के लिए मजबूर हो गए थे और हमारे महाद्वीप तक पहुंचने के लिए अपनी जान जोखिम में डाल रहे थे।

मेरा प्रभु न्याय का देवता है और यह एक गंभीर और हानिकारक अन्याय था जो मेरे दरवाजे पर हो रहा था। सितंबर 2017 में, मैं रिफ्यूजी कम्युनिटी किचन के साथ, कैलाइस स्वयंसेवक के पास गयी। मैंने ड्राइवर और डिस्ट्रीब्यूशन लीड के रूप में काम करते हुए 6 महीने तक रही। प्रभु ने मुझे एक अद्भुत समर्थन नेटवर्क दिया – कैलाइस में और घर से। मुझे लगता है कि लोगों को दोस्ती से उम्मीद मिली।

- ग्रेस की #WDPhope शरणार्थियों के लिए है। आपकी विश्व प्रार्थना दिवस के लिये आशा क्या है?
- ग्रेस शरणार्थिीं के लिए मूल्य बहाल करने के बारे में भावुक थी और उसके जुनून ने उसे आगे बढ़ाया।
- व्यावहारिक तरीके से सेवा करें। इस सप्ताह आप कौन से कदम उठा सकते हैं जो अन्याय को बदलने में आपकी मदद करेगा?

- हम दुनियां भर में उत्साह और आशा–लाने वालों का एक आंदोलन बनाना चाहते हं।
- जिस मुद्दे को लेकर आप भावुक हैं, उसे कागज के एक टुकड़े पर लिखकर साझा करें।
- इसे #WDPhope का उपायग करके सोशल मीडिया पर अपलोड करें।

हम यिर्मयाह के इस पठन से यह विश्वास करने के लिए प्रेरित हों कि अंततः परमेश्वर हमारे जीवन में एक सिद्ध योजना को साकार करने के लिए लाएगा। हम प्रार्थना करते हैं कि प्रभु हमारी माता और हमारे पिता, हमें दूसरों की मदद करने के लिए इस्तेमाल करेंगे। जब जीवन एक बहुत बड़ा संघर्ष लगता है।

----------o----------